चल रहा है । 5.96 करोड़ रुपया इस तटीय सड़क के लिए सेन्टर की तरफ से दिए गए हैं । अगर स्टेट गवर्नमेंट और रुपया इस सड़क के लिए मांगेगी तो हम देने के लिए तैयार हैं । इस सड़क के महत्व को हम मानते हैं ।

सेना में असैनिक अध्यापक

*245. **श्री हुकम चन्द कछवाय :** क्या रक्षा मंत्री सेना में असैनिक अध्यापकों की संख्या के बारे में 26 अप्रैल, 1978 के अतारांकित प्रश्न संख्या 8130 के उत्तर के संबंध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या भारतीय सेना की विभिन्न यूनिटों में असैनिक अध्यापकों के बारे में अपेक्षित जानकारी इस बीच एकत्र कर ली गई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्योरा क्या है ;

(ख) गत तीन वर्षों म कितने असैनिक अध्यापकों को स्थायी बनाया गया है और पदोन्नत किया गया है और इस समय कितने एसे पद उपलब्ध हैं जिन पर उन्ह स्थायी बनाया जा सकता है और पदोन्नति दी जा सकती है ; और

(ग) क्या अतिरिक्त असनिक स्कूल अध्यापकों का अलग केडर बनाने के प्रश्न पर विचार किया गया है और यदि नहीं, तो इस बारे में अन्तिम निर्णय कब तक लिया जायेगा ?

रक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री (प्रो० शेर सिंह) : (क) और (ख). भारतीय सैना की यूनिटों में सिविलियन अध्यापकों की संख्या 1975 में 213, 1976 में 190 और 1977 में 162 थी । ये अध्यापक अस्थायी कर्मचारी के रूप में कार्य कर रहे हैं । इन में से किसी की पदोन्नति नहीं की गई है ।

अध्यापकों के ऐसे 45 पद हैं जिन पर इनकी पुष्टि की जा सकती है । परन्तु ऐसे कोई पद नहीं हैं जिन पर इनकी पदोन्नति की जा सके । ये अध्यापक कितने वर्षों से कार्य कर रहे हैं, इस बारे में सूचना एकत्र की जा रही है और सदन के पटल पर रख दी जाएगी ।

(ग) इलेक्ट्रिकल तथा मेकेनिकल इंजीनियर्स की कोरों में सिविलियन स्कूल अध्यापकों के 45 पदों को जून 1978 में स्थायी सिविलियन पदों में बदल दिया गया । सिविलियन स्कूल मास्टरों के और पदों को स्थायी बनाने की व्यवहार्यता और उनके लिए एक अलग संवर्ग बनाने की सम्भावना पर विचार किया जा रहा है ।

श्री हुकम चन्द कछवाय : अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने जो आंकड़े दिये हैं, उन के अनुसार 1975 में 213, 1976 में 190 और 1977 में 162 अध्यापक थे । इस का अर्थ है कि 1975 के मुकाबले 1976 में 23 कम हो गये और 1977 में तो उन की संख्या और ज्यादा घट कर केवल 162 ही रह गई । मैं जानना चाहता हूं कि इन की संख्या कम होने के मुख्य कारण क्या हैं ? मैंने एक सवाल 26 अप्रैल, 1978 को पूछा था, उस में मैंने यह जानकारी मांगी थी कि ये व्यक्ति कब से काम कर रहे हैं । आप ने उत्तर दिया था कि हम जानकारी इकट्ठी कर रहे हैं । इतने दिन बीत जाने के बाद भी आप यही जवाब दे रहे हैं कि हम जानकारी इकट्ठी कर रहे हैं । आप मुझे बतलाइये कि आप कब तक इस जानकारी को इकट्ठा कर लेंगे । आप के पास सब तरह के साधन होने के बावजूद भी आप इतना विलम्ब क्यों कर रहे हैं या इस के पीछे कोई बात है, जिसे आप छिपाना चाहते हैं ?

प्रो० शेर सिंह : अध्यक्ष महोदय, संख्या कम होने का कारण यह है कि ये अध्यापक "काम्बेटेंट परसोनल" में से लिये जाते हैं, जब वे नहीं मिलते हैं तो सिविलियन मास्टर्ज लिये जाते हैं, । जैसे ही हमें काम्बेटेंट परसोनल में से मास्टर मिल जाते हैं, इन को दूसरी जगह पर एब्जार्ब कर लिया जाता है । संख्या कम होने का यही कारण है ।

जहां तक विलम्ब का प्रश्न है--सूचना एकत्र करने में काफी समय लग रहा है, क्योंकि ये अलग-अलग रेजिमेन्ट्स में जगह जगह पर लगे हुए हैं, सभी जगहों से सूचना प्राप्त करने का प्रयत्न किया जा रहा है । अब तक 162 में से 121 के बारे में जानकारी प्राप्त हो चुकी है । चूंकि अभी बाकी लोगों के बारे में जानकारी आनी है, इसी लिये मैंने कहा है कि थोड़ा समय और लग जायगा । जैसे ही सारी जानकारी आ जायेगी, मैं उसे सभा पटल पर रख दूंगा ।

MR. SPEAKER : You have taken a lot of time, Mr. Minister, from April onwards. You should have collected the information.

श्री हुकम चन्द कछवाय : अध्यक्ष महोदय, आप ने कह दिया है, इस लिये मुझे संतोष है, वैसे ये इस जानकारी को अप्रैल से इकट्ठा कर रहे हैं ।

आप के पास जो 121 के बारे में सूचना आई है--उन में से कितने व्यक्ति कितने रोज से आप के यहां काम कर रहे हैं ? क्या आप के यहां कोई ऐसी सीमा है कि इतने दिनों में उन को स्थायी कर दिया जायगा ? आप ने अपने उत्तर में कहा है कि 45 पद ऐसे हैं, जिन में उन की पुष्टि की जा सकती है । मैं जानना चाहता हूं कि आप को पुष्टि करने में दिक्कत क्या आ रही है ? आप कब तक इन की पुष्टि कर देंगे ? क्या आपने इन अध्यापकों को स्थायी करने के बारे में अपने यहां कोई नियम बनाया है, कि इतने रोज काम करने के बाद उन को स्थायी कर दिया जायेगा ?

प्रो० शेर सिंह : अध्यक्ष महोदय, यह समस्या बहुत पुरानी है । जब 26 अप्रैल, को यह प्रश्न आया था, उस के बाद हम ने नोटिफिकेशन निकाल कर 45 जगहों को स्थायी कर दिया, यह कार्यवाही काफी जल्दी की गई । बाकी पदों के स्थायी करने के बारे में हम विचार कर रहे हैं ।

जो सूचना 121 व्यक्तियों के बारे में हमारे पास आई है, उस के अनुसार एक व्यक्ति ऐसा है, जिस की 31 से 35 वर्ष के बीच हो चुके हैं, 15 ऐसे हैं जो 26 साल से 30 साल तक के हैं, 21 साल से 25 साल तक के 15 हैं, 16 साल से 20 साल तक के 17 हैं, 11 साल से 15 साल तक के 48 हैं, 6 साल से 10 साल तक के 18 हैं और पांच साल तक के 7 हैं । इस तरह से 121 के बारे में सूचना मिली है । जो 45 पद हम ने स्थायी घोषित किये हैं उन में पहले सब से सीनियर लोगों को पक्का किया जायेगा, दूसरों का नम्बर उन के बाद आयेगा । इस लिये हम विचार कर रहे हैं कि कितने और आदमियों को हम स्थायी कर सकते हैं ।

श्री हुकम चन्द कछवाय : अध्यक्ष महोदय, ...

MR. SPEAKER: So, they will be confirmed before they retire,

श्री हुकम चन्द कछवाय : अध्यक्ष महोदय, मैंने यह पूछा था कि क्या आप

ने स्थायी करने के बारे में कोई नियम बनाये हैं कि कितने दिनों के बाद स्थायी किया जायगा ? मेरे इस प्रश्न का जवाब नहीं आया है । इन को काम करते हुए 31 से 35 साल हो गये हैं लेकिन अभी तक स्थायी नहीं हुए हैं ।

MR. SPEAKER : I have told him that he has taken a long time. They must be confirmed before retirement at least.

प्रो० शेर सिंह : अध्यक्ष महोदय, प्रश्न आने के बाद 35 दिन के अन्दर हम ने फसला किया कि कुछ पदों को स्थाई करना चाहिए और कुछ और भी हम स्थायी करने का विचार कर रहे हैं । इन का एक केडर बन जाए, इस पर विचार हो रहा है ।

SHRI YADVENDRA DUTT : In his very prompt reply, the hon. Minister has said that they can be confirmed, पुष्टि की जा सकती है, but they can not be promoted. May I know firstly the reason why these gentlemen who have been serving for 31 years are not liable or fit enough to be considered for promotion in comparison to others in his department and, secondly, why this delay in allowing these teachers to work for 30 years and 25 years with out being confirmed ? What is the reason behind it ? I would like the hon. Minister to enlighten the House on these two points.

PROF. SHER SINGH : As I have already submitted, these civilian teachers are on the authorised strength of the units to which they belong and, mostly, such teachers are taken out of the combatant personnel. It is only when such teachers were not available that civilian teachers were recruited. The appointments were of a temporary nature. but somehow they continued serving for many years. It has been a hardship to them. I accept it and, therefore, we have found a solution now. We are making 45 teachers permanent from 1st April, 1971. (*Interruptions*) In fact, this question came up before me only two months ago. We have taken expeditious steps. We are now trying to examine the question from the point of view of having a separate cadre for them.

SHRI SURATH BAHADUR SHAH : Does the hon. Minister realise that keeping a man on temporary basis for 31 years, just to make him permanent, deprives him of facilities, like, provident fund and other things and, if so, is he thinking of compensating that loss and, if so, how ?

PROF. SHER SINGH : These teachers enjoyed the benefits of some of the general rules issued in respect of civilians employed in defence establishments..

SHRI SURATH BAHADUR SHAH : The hon. Minister has not understood my question.

PROF. SHER SINGH : These rules were applicable to them also even though they were temporary. They enjoyed some benefits, like, quasi-permanency, pension, family pension protection of pay on becoming surplus and so on. I have admitted that there has been a great hardship to them. I do not defend what has happened. We have now taken steps to make them permanent.

Production of coal by coal washeries

*247. SHRI BIRENDRA PRASAD : Will the Minister of ENERGY be pleased to state :

(a) the total quantity of coal produced annually by the coal washeries in the country with 17 per cent ash content; and

(b) the quantity of coal with 17 per cent ash produced during 1977-78 ?

THE MINISTER OF ENERGY (SHRI P. RAMACHANDRAN) : (a). and (b). The total quantity of coal produced by the coal washeries in the country with around 17% ash during the last three years is given below :—

Year	quantity of coal produced (In million tonnes)
1975-76	1·55
1976-77	0·48
1977-78 . .	1·60

श्री बीरेन्द्र प्रसाद : अध्यक्ष जी, मैं आप क माध्यम से मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि क्या यह बात सच है कि जितने भी थर्मल पावर स्टेशन हैं और खास कर